सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 26 APRIL TO 02 MAY 2024 • VOLUME 39 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

झूठे व्यक्ति की ऊंची आवाज सच्चे व्यक्ति को चुप करवा देती है लेकिन सच्चे व्यक्ति का मौन झूठे व्यक्ति कि नींव तक हिला देता है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

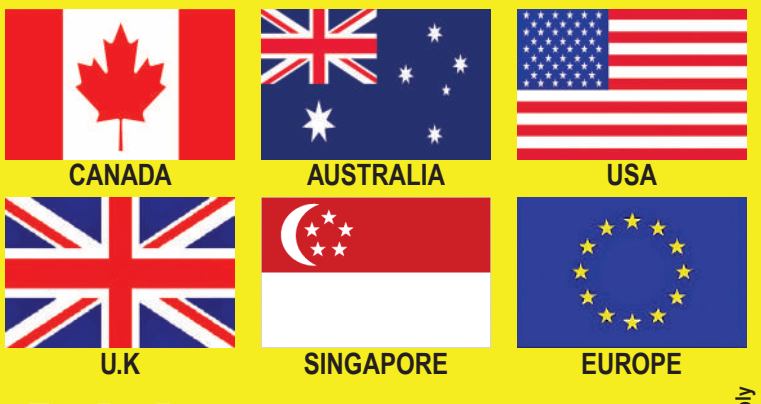

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

लोकसभा चुनाव : दूसरे चरण के मतदान के लिए तैयारियां पूरी

13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 88 लोकसभा सीटें, 16 करोड़ मतदाता, 1.67 लाख मतदान केंद्र

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मौसम सामान्य रहने के पूर्वानुमान के साथ, मतदाता आराम से अपना वोट डाल सकते हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केन्द्रों पर सुविधाओं सहित गर्म मौसम की स्थिति से निपटने के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है।

13 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में कल मतदान होगा। याद रहे कि मध्य प्रदेश में 29-बैतूल संसदीय क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी के एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान तीसरे चरण में पुनर्निर्धारित किया गया है। शेष 5 चरणों का मतदान 1 जून तक चलेगा और वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 19 अप्रैल को पहले चरण की 102 सीटों के लिए मतदान सुचारु और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से मतदान केन्द्रों पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने और जिम्मेदारी व गर्व के साथ मतदान करने का आह्वान किया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के लिए 13 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के 88 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (सामान्य- 73; एसटी- 6; एससी-9) के लिए 26 अप्रैल, 2024 को मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे समाप्त होगा

(मतदान बंद होने का समय निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार अलग हो सकता है)

बिहार में बांका, मधेपुरा, खगड़िया और मुंगेर निर्वाचन क्षेत्रों के कई मतदान केन्द्रों पर गर्म मौसम की स्थिति में मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान का समय शाम 6 बजे तक बढ़ा दिया गया। 16 लाख से अधिक मतदान अधिकारी 1.67 लाख मतदान केंद्रों पर 15.88 करोड़ से अधिक मतदाताओं का स्वागत करेंगे।

मतदाताओं में 8.08 करोड़ पुरुष शामिल हैं; 7.8 करोड़ महिला और 5929 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। 34.8 लाख पहली बार मतदाता अपना वोट डालेंगे। इसके अतिरिक्त, 20-29 वर्ष आयु वर्ग के 3.28 करोड़ युवा मतदाता हैं। 1202 उम्मीदवार (पुरुष- 1098; महिला - 102; ट्रांसजेंडर- 02) मैदान में हैं।

दूसरे चरण के लिए 85+ वर्ष के 14.78 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता, 100 वर्ष से अधिक के 42,226 मतदाता और 14.7 लाख दिव्यांग मतदाता हैं, जिन्हें अपने घर से आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया गया है। वैकल्पिक होम वोटिंग सुविधा को पहले से ही जबरदस्त सराहना और प्रतिक्रिया मिल रही है।

मतदान और सुरक्षा कर्मियों को लाने-ले जाने के लिए 3 हेलीकॉप्टर, 4 विशेष ट्रेनें और लगभग 80,000 वाहन तैनात किए गए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर माइक्रो-ऑब्जर्वर की तैनाती के साथ-साथ 50 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। 1 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है। 251 पर्यवेक्षक (89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक, 109 व्यय पर्यवेक्षक) मतदान से कुछ दिन पहले ही अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं। वे अत्यधिक सतर्कता बरतने के लिए आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्यों में विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है।

मतदाताओं को दिए जाने वाले किसी भी प्रकार के प्रलोभन से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिए कुल 4553 उड़न दस्ते, 5731 स्थैतिक निगरानी दल, 1462 वीडियो निगरानी दल और 844 वीडियो निगरानी टीमें चौबीसों घंटे निगरानी रख रही हैं। कुल 1237 अंतरराज्यीय और 263 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियां शराब, ड्रग्स, नकदी और मुफ्त उपहारों की किसी भी तरह की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। समुद्री और हवाई मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी गई है।

कांग्रेस मैनिफेस्टो समझाने के लिए खड़गे ने मांगा पीएम से समय

नई दिल्ली. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के 'न्याय पत्र' को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए खड़गे ने कहा कि 'न्याय पत्र' का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है।

खड़गे ने लिखा कि आपके सलाहकार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे 'न्याय पत्र' के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना आपकी आदत बन गई है।'

मुख्यमंत्री ने शैरी कलसी के लिए गुरदासपुर में किया चुनाव प्रचार, कहा-

नफरत की राजनीति करने वालों को दोबारा वोट दिया तो यह देश का आखिरी चुनाव होगा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को गुरदासपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और अपने अंदाज में शैरी कलसी के लिए चुनाव अभियान की शुरुआत की। मान ने पंजाब को लगातार नुकसान पहुंचाने वाले अकाली और कांग्रेस नेताओं पर हमला बोला और गुरदासपुर के पूर्व सांसदों पर सीट जीतने के बाद नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया। रैली मैदान में पहुंचने से पहले मान ने गुरदासपुर के ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में मत्था टेका और ईश्वर से देश का संविधान बचाने के लिए इन चुनावों को लड़ने की शक्ति देने की प्रार्थना की। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि यह चुनाव किसी को जिताने या हराने का नहीं है। यह चुनाव हमारे लिए बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को बचाने का आखिरी मौका है।

यह चुनाव हमारे लोकतंत्र को बचाने का एक मौका है। अगर नफरत फैलाने वाले दोबारा सत्ता में आए, तो वे हमारे लोकतंत्र को खत्म कर देंगे। वह भारत को भारत तानाशाही देश बना देंगे। फिर देश में कोई चुनाव नहीं होगा।

मान ने गुरदासपुर के पिछले सांसदों के कामों पर दुख जताया और कहा कि 'ढाई किलो का हाथ' सीमा के दूसरी तरफ हैंडपंप उखाड़ रहे हैं, लेकिन उन लोगों का पता करने भी नहीं आते जिन्होंने उन्हें संसद में भेजा था। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर को पिछले दस सालों में लापरवाही के कारण जो नुकसान हुआ है उसका भरपाई भी आप प्रत्याशी ही भरेगा।

भगवंत मान ने कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा पर भी हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने उनके सीएम बनने के सपने की हत्या कर दी। मान ने कहा कि वह ऐसे शख्स हैं जो आम परिवारों के बेटे-बेटियों को मैटेरियल कहते थे। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मंत्री रहते हुए चंडीगढ़ से गुरदासपुर हाईवे तक सबसे ज्यादा टोल प्लाजा बनवाए। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के आम लोगों के लिए कुछ करने के बजाय लुटेरों का साथ दिया।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के चुनावी भाषणों के मामले में चुनाव आयोग ने कांग्रेस-बीजेपी को भेजा नोटिस

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों पर आपत्ति जताए जाने के बाद गुरुवार को संज्ञान लिया है। आयोग ने आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में बीजेपी और कांग्रेस को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने एक दूसरे पर धर्म, जाति, समुदाय और भाषा के आधार पर नफरत और विभाजन पैदा करने के आरोप लगाए हैं। दोनों पार्टियों को 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 77 के तहत दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को जवाब देने को कहा है।

बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया था। आयोग का कहना है कि राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों विशेष रूप से स्टार प्रचारकों के व्यवहार की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी।

एनआरआई थाने के एसएचओ का रीडर 20,000 रिश्वत लेता काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने एसएचओ एनआरआई थाना लुधियाना के रीडर के तौर पर तैनात सिपाही बलराज सिंह को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिस कर्मचारी को एडवोकेट अरुण कुमार खुरमी, निवासी उपकार नगर, सिविल लाईन्ज़ लुधियाना की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने दोष लगाया है कि गाँव उधोवाल, तहसील समराला, ज़िला लुधियाना में उसकी पत्नी के नाम पर 20 कनाल ज़मीन है, जिस पर दो व्यक्तियों ने ज़बरदस्ती कब्ज़ा करने की कोशिश की और इस ज़मीन में खड़े पापूलर के पेड़ भी चोरी कर लिए। शिकायतकर्ता ने इस सम्बन्धी पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई थी, जोकि एसएचओ एनआरआईज़ सैल, लुधियाना के पास पड़ी है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर अभी तक कोई कार्यवाही

नहीं की और एसएचओ एनआरआईज़ थाने के रीडर बलराज सिंह ने इस पर कार्यवाही करवाने के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत की माँग की। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि उक्त मुलजिम ने उसे रिश्वत के तौर पर 20,000 रुपए पहले और 80,000 रुपए अगले हफ्ते तक देने के लिए कहा है।

शिकायतकर्ता के बयानों की पड़ताल के उपरांत उक्त मुलजिम के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत थाना विजीलैंस ब्यूरो रेंज लुधियाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके उपरांत विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर सिपाही बलराज सिंह को शिकायतकर्ता से 20,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया।

रिश्वत लेता सीनियर सहायक गिरफ्तार

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने जिला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिकारी, लुधियाना के दफ्तर में तैनात सीनियर सहायक अमनदीप सिंह को 20,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त मुलजिम को सतीश कुमार निवासी गाँव किशनपुरा, तहसील डेराबसी, एस.ए.एस. नगर द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की प्राथमिक पड़ताल के बाद ईओडब्ल्यू की विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर उक्त मुलजिम को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में रिश्वत की दूसरी किश्त के तौर पर 20,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया।

ज़मीन के इंतकाल के बदले रिश्वत लेता पटवारी काबू

अमृतसर के राजस्व हलका गुमानपुरा सर्किल में पटवारी के तौर पर तैनात रिपुदमन सिंह को गिरफ्तार किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त राजस्व कर्मचारी को सुखदेव सिंह निवासी गाँव गुमानपुरा, अमृतसर द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि पटवारी को दो सरकारी गवाहों की हाजिरी में शिकायतकर्ता से 10,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू कर लिया।

लोकसभा चुनाव-2024 : वोटर जागरूकता के लिए जिला प्रशासन की पहल, ग्राफिटियां बनी आकर्षण का केंद्र

मोगैंबो, गब्बर, गजनी दे रहे वोट डालने का संदेश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा 2024 दौरान अधिक से अधिक लोगों को बिना किसी डर या भय के मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मोगैंबो, गब्बर और गजनी संदेश दे रहे है। जिला प्रशासन द्वारा स्वीप प्रोग्राम अधीन बडे स्तर पर विशेष पहल के तहत बड़े-बड़े चौक-चौराहों पर अलग-अलग ग्राफिटीयां बनाई गई है। इनमें फिल्मों के लोकप्रिय किरदार मोगैंबो, गब्बर, गजनी आदि ज्यादा से ज्यादा वोटिंग का न्योता दे रहे है।

जिला चुनाव अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर डा.हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव के दौरान 70 प्रतिशत से अधिक मतदान का लक्ष्य हासिल करने के लिए जिला प्रशासन ने स्वीप के अधीन लोगों को जागरूक करने के लिए

जगह-जगह पर लोकप्रिय फिल्मों के संवादों, चित्रों द्वारा मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर बनाई ग्राफिटीयां लोगों विशेषकर युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है और उन्हें देश में लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लिखे स्लोगन जैसे 'यूथ दा इको ही टशन मनाउनगें वोटो दा जश्न', 'अरे ओ सांभा कदो है वोटां, 01 जून 2024', 'एह ना सोचो कि इक वोट की फर्क लयाएगी,तुहाडा मतदान की देश नू अगे वदाएगा ' और 'इस वार वोट पाउनी नहीं भुलांगा' का नारा दे रहे है। डा. अग्रवाल ने यह भी कहा कि जिला प्रशासन ने जिले में वोट प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्वीप कार्यक्रम के तहत नोडल अधिकारी नियुक्त किए है, साथ ही स्कूल और कालेजों के छात्रों को मतदान के महत्व के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दी है। लोगों को लोकतंत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान जिले के 16.42 लाख मतदाता 1951 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसके लिए जिला प्रशासन ने मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर पर्याप्त प्रबंध किए है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास)-कम-नोडल अधिकारी स्वीप जसबीर सिंह ने बताया कि जिला चुनाव अधिकारी डा. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में जिला प्रशासन आने वाले दिनों में स्वीप प्रोग्राम अधीन बड़े स्तर पर जागरूकता गतिविधियां करवाएगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों विशेषकर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

विक्रमजीत सिंह चौधरी, करमजीत कौर चौधरी व तजिंदर सिंह बिट्टू को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पंजाब के तीन प्रभावशाली नेताओं विक्रमजीत सिंह चौधरी, करमजीत कौर चौधरी और तजिंदर सिंह बिट्टू को सुरक्षा प्रदान की है। तीनों नेताओं को केवल पंजाब में 'वाई' श्रेणी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जारी एक आदेश के बाद तीनों नेताओं को सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। गृह मंत्रालय का यह कदम कांग्रेस द्वारा बुधवार को फिल्लौर विधायक विक्रमजीत सिंह चौधरी को कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में निलंबित करने के बाद आया है।

शिमला-मनाली नहीं, एक्सप्लोर करें गुजरात का ये खूबसूरत हिल स्टेशन

TRAVELLING

चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए लोग हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे में इस बार शिमला-मनाली नहीं बल्कि गुजरात के इस इकलौते हिल स्टेशन को एक्सप्लोर कर सकते हैं...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

गर्मी की छुट्टियों में लोग ठंडी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। इस दौरान ज्यादातर लोग दिल्ली के पास मौजूद हिल स्टेशन शिमला और मनाली जाना पसंद करते हैं। लेकिन इस बार आपको नई जगह को एक्सप्लोर करना चाहिए। गुजरात वैसे तो एक गर्म शहर है लेकिन क्या आप जनाते हैं कि यहां का फेमस सापुतारा गुजरात का इकलौता खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां जानिए सापुतारा में घूमने की बेस्ट जगहों के बारे में-

हटगढ़ किला

हटगढ़ किला सापुतारा से लगभग 5 किमी की दूरी पर गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा पर है। लगभग 3,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण, किले तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता आसान ट्रैकिंग है और यह सपूतारा में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

वंसदा नेशनल पार्क

वंसदा राष्ट्रीय बहुत एकड़ में फैला हुआ है। ये पार्क सापुतारा से लगभग 40 किमी दूर है। वंसदा नेशनल पार्क में घने नम पर्णपाती जंगल शामिल हैं और जंगल के कुछ हिस्सों में दिन के दौरान भी अंधेरा रहता है।

सनराइज पॉइंट

वैली व्यूपॉइंट, जिसे सनराइज पॉइंट के नाम से भी जाना जाता है, सापूतारा में स्थित एक चोटी है। वाघई के रास्ते में 1.5 किमी की पैदल यात्रा करके इस शिखर तक पहुंचा जा सकता है। इस पॉइंट से सापुतारा घाटी के साथ-साथ हिल स्टेशन के आसपास के गांवों और हरे-भरे जंगलों का अद्भुत नजारा देख सकते हैं।

सापुतारा झील

सापुतारा झील सापुतारा हिल स्टेशन से लगभग 1.5 किमी दूर है और इसे सापुतारा घाटी के सबसे फेमस पिकनिक प्लेस में से एक माना जाता है। हरी-भरी हरियाली से भरपूर, यह मानव निर्मित झील अपनी बोटिंग एक्टिविटी के लिए फेमस है।

टेबल पॉइंट

इसे टाउन व्यूपॉइंट के रूप में भी जाना जाता है, इस जगह को गवर्नर हिल नामक पहाड़ी के शीर्ष पर इसकी सपाट टेबल जैसी सतह के कारण टेबल पॉइंट नाम दिया गया है। टेबल प्वाइंट के टॉप पर पहुंचें और यहां से घाटी-पहाड़ों की सुंदरता को देखें। यह सापूतारा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

STYLE TIPS

गर्मियों में इन फैब्रिक की साड़ी पहनें, मिलेगा स्लिम लुक

साड़ी पहनकर स्लिम एंड फिट दिखना चाहती हैं तो भूलकर भी ऑर्गेंजा, सिल्क या टाइट कॉटन को ना पहनें। इन फैब्रिक की साड़ियां आपको स्लिम एंड फिट दिखाने में आपकी ज्यादा मदद करेंगे।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

स्लिम दिखना तो हर लड़की चाहती है। लेकिन जरूरी नहीं कि सबकी बॉडी एक जैसी हो। लेकिन सही तरीके से कपड़े पहनकर आप खुद को स्टाइलिश और फिट दिखा सकती हैं। साड़ी पहनना पसंद है लेकिन साड़ी में और भी ज्यादा फैट नजर आता है। तो हमेशा इन फैब्रिक की साड़ियों को चुनें। जिन्हें पहनकर आप ना केवल स्टाइलिश दिखेंगी बल्कि ये काफी कंफर्टेबल भी दिखती हैं। तो चलिए जानें कौन से कपड़े की साड़ी आपके लुक को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव बना सकती है।

जॉर्जेट फैब्रिक की साड़ी - जॉर्जेट बिल्कुल महीन फैब्रिक होती है। अगर आप अपने वॉर्डरोब में इस कपड़े की साड़ियों को रखती हैं तो ये ना केवल आपको स्लिम एंड फिट दिखाने में मदद करेंगी। बल्कि ये पहनने में भी काफी आसान होती हैं और इन्हें कैरी करना भी बेहद आसान होता है।

शिफॉन साड़ी- शिफॉन की साड़ी तो लगभग हर लड़की की फेवरेट होती है. लाइटवेटेड होने के साथ ही इसे पहनकर आप यंग नजर आएंगी और साथ ही थोड़ा स्लिम भी। शिफॉन की साड़ियां आसानी से शरीर से साथ फिट बैठती हैं और इनकी प्लीट्स भी ठीक से बन जाती है। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में शिफॉन की साड़ी में आप कंफर्टेबल महसूस करेंगी।

क्रेप सिल्क- अगर आप सिल्क की साड़ियों को पसंद करती हैं। तो कभी भी रेगुलर सिल्क को ना चुनें। ये आपको बल्की और मोटा दिखा सकती है। इसकी बजाय अपने लिए क्रेप सिल्क को चुनें। शाइनी फैब्रिक होने की वजह से बॉडी पर इल्यूजन इफेक्ट पैदा करता है। वहीं इस साड़ी का फॉल काफी अच्छा होता है और इसे पहनकर आप स्लिम नजर आएंगी।

सॉफ्ट कॉटन - गर्मियों का मौसम हो और कॉटन की साड़ी वॉर्डरोब में ना। खासतौर पर अगर आप प्रोफेशनल हैं तो कॉटन की साड़ियों को पहनकर जा सकती हैं। ये आपके लुक को रिच और क्लासी बनाने के साथ ही स्लिम भी बनाने में मदद करते हैं।

कैसे बनता है सत्तू, क्या है इसे स्टोर करने का सही तरीका

गर्मी आते ही कई प्रदेशों में सत्तू की खपत बढ़ जाती है। सत्तू ना सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि शरीर को भीतर से ठंडा भी रखता है। इसका इस्तेमाल अपने खानपान में कैसे करें, बता रही हैं कुकरी एक्सपर्ट नीरा

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सत्तू के बारे में सोचते ही मुझे आज से चार दशक पहले की एक घटना याद आ रही है। उस समय हम लोग शिलॉन्ग में थे और मैं अपने पड़ोसी से मिलने गई। वे लोग बिहार से थे। लंच टाइम था और उन्होंने मुझे सत्तू का पराठा और रायता खाने का आग्रह किया। मैंने आनाकानी करनी चाही, पर उनके आग्रह के आगे एक छोटा पराठा लेना ही पड़ा।

चने के सत्तू में बारीक कटी प्याज,अन्य सूखे मसाले व मिर्च के अचार का मसाला मिलाकर उस पराठे को बनाया गया था। मुझे उसका स्वाद बहुत अच्छा लगा। मैंने पहली बार सत्तू को इस तरह से खाया था।

क्या है सत्तू : सत्तू में मौजूद ढेर सारे पोषक तत्व ही उसे सुपर फूड बनाते हैं। यह सुपर फूड अपने आप में संपूर्ण भोजन है। साथ ही सत्तू में एक ठंडक प्रदान करने वाला एजेंट मौजूद रहता है, जो स्वभाविक रूप से शरीर के तापमान को कम करता है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में यह प्रमुख व्यंजन है। गर्मियों में इसकी डिमांड बहुत बढ़ जाती है। सत्तू मुख्यत: यह एक सूखा पाउडर है, जिसे चने और जौ आदि अनाजों को भूनकर और पीसकर बनाया जाता है। चने का सत्तू गर्मियों में ज्यादा उपयोग में लाया जाता है। यह एक ऐसा पाउडर है, जिससे नमकीन या मीठा शर्बत, चीला, लड्डू, परांठे आदि बनाना आसान होता है। इसको गर्मियों का टॉनिक कहा गया है। बाजार में कई कंपनियों के सत्तू उपलब्ध हैं। अकसर चने को पीसकर इसका पाउडर पैक कर दिया जाता है, जबकि असलियत में सत्तू तैयार करने की प्रक्रिया थोड़ी अलग है। सत्तू बनाने के लिए चने को पहले पानी में भिगोकर रखा जाता है, फिर उसे सुखाकर भूना जाता है। उसके बाद छिलके सहित या छिल्का उतारकर उसे पीसा जाता है।

सेहत का रखवाला

कैल्शियम,आयरन, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह ऊर्जा का शानदार स्रोत है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट ऊर्जा को तुरंत रिलीज करता है। गर्मी में ज्यादा मेहनत का काम करने वालों के लिए यह पावर हाउस की तरह काम करता है।

क्या बच्चे की मालिश करने से मजबूत होती हैं हड्डियां? एक्सपर्ट से जानिए

बच्चे के जन्म के बाद से ही उसकी मसाज करना शुरू कर दिया जाता है। माना जाता है कि इससे हड्डियां मजबूत होती हैं। यहां जानिए बच्चों की मसाज से जुड़े मिथको की सच्चाई।

जालंधर ब्रीज (फीचर) . दादी, नानी और माएं अपने बच्चों की तंदरुस्ती का ख्याल हमेशा रखती हैं। माना जाता है कि बच्चे की मसाज करने से बच्चों के शरीर को विकसित करने में मदद मिलती है। साथ ही ये आरामदायक होती है। कहा जाता है कि यह माता-पिता को बच्चे के साथ संपर्क बनाने और उसकी जरूरतों को समझने में मदद करता है। बच्चों की मसाज को लेकर कई तरह के मिथकों को भी माना जाता है। ऐसे में एक्सपर्ट से जानिए इनकी सच्चाई। एक्सपर्ट ने अपने एक वीडियो के जरिए बच्चों की मसाज से जुड़े मिथकों को क्लीयर किया है।

मिथक- मसाज ना करने की वजह से पैरों का कमजोर होना।

सच्चाई-एक्सपर्ट कहती हैं कि अगर मालिश करने से मसल्स या हड्डिया बनती तो लोगों को जिम जाने की जगह मसाज पार्लर में जाना चाहिए। बच्चों की मसाज आपको कनेक्शन बनाने के लिए, उसे आराम देने के लिए की जाती है।

मिथक- मसाज में नाक खीचकर शेप देने के लिए

सच्चाई- मसाज करते समय बच्चे की नाख को खींचने से उसे शेप नहीं मिलती। बल्कि जीन्स के मुताबिक ही बच्चे को नाक की शेप मिलती है।

मिथक- माथा नहीं दबाया तो बाहर आएगा।

सच्चाई- माथा बाहर होने पर विटामिन डी की कमी या फिर किसी तरह का डिसॉर्डर हो सकता है। जिसके लिए डॉक्टर से मिलें। एक्सपर्ट का कहना है कि मसाज करने से हड्डियां अदर या बाहर नहीं होती।

मिथक- मसाज से मिलेगी सिर की गोल शेप

सच्चाई- ये एक मिथक है। जब बच्चा अपने आप उठने या बैठने लग जाता है। या सिर पर प्रेशर कम होता है तो डिफ्रेंशियल ग्रोथ की वजह से सिर में अपने आप गोलाई आ जाती है।

मिथक- मसाज करने से बच्चे जल्दी चलते हैं।

सच्चाई- ये गलत है। मसाज करने से बच्चे जल्दी नहीं चलते हैं बल्कि जेनेटिक पैटर्न, न्यूट्रिशियन, डेवेलपमेंट के मुताबिक बच्चे चलना सीखते हैं।

लाल केला खाकर कम किया जा सकता है कई बीमारियों का जोखिम

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

लाल केले के बारे में हो सकता है आपने पहले ना सुना हो। पीले केले की तरह ही दिखने वाले इस केले का रंग लाल होता है। लेकिन अंदर से ये बिल्कुल पीले केले जैसा ही दिखता है। इसे ढाका बनाना के नाम से लोग जानते हैं। हालांकि ये पीले केले जितना मीठा नहीं होता लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ढाका बनाना यानी इस लाल केले को खाने से सेहत को कई तरह के फायदे होते हैं।

लाल केले का स्वाद

लाल केले का स्वाद पीले केले जैसा ही होता है। वहीं इसकी महक किसी बेरी जैसे फल की तरह होती है। हालांकि लाल केले को पूरी तरह पकने के बाद ही खाना चाहिए। नहीं तो कच्चे लाल केले में किसी भी तरह का स्वाद नहीं मिलेगा।

फाइबर से भरपूर

लाल केले में फाइबर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए इसे खाने पर पेट काफी देर तक भरा रहता है। एक लाल केले में 90 कैलोरी होती है। साथ ही कार्ब्स की मात्रा भी होती है।

किडनी के लिए फायदेमंद

लाल केले में मौजूद पोटैशियम शरीर में किडनी स्टोन को बनने से रोकता है। अगर इस ढाका केला को रोज खाया जाए तो ये हार्ट डिसीज, कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करेगा। वहीं लाल केला हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को बनाकर रखने में मदद करता है।

स्मोकिंग की लत छुड़ाने में मदद

सुनने में अजीब लग सकता है लेकिन लाल केले को खाने से निकोटिन को लेने की आदत पर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। मैग्नीशियम और पोटैशियम की वजह से ऐसा होता है। इसे खाने से इंस्टेंट एनर्जी मिलती है।

पीले केले की तरह दिखने वाले इस केले का छिलका लाल रंग का होता है। ढेर सारे माइक्रो न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होने की वजह रोजाना अगर एक केला खाया जा तो इसके कई सारे फायदे हैं।

ब्लड प्यूरिफायर का करता है काम

ब्लड प्यूरीफाई करने के साथ ही स्किन प्रॉब्लम को कम करता है। ब्लड सर्कुलेशन बढ़ा कर स्किन शाइन इंप्रूव कर सकता है। लाल केले में विटामिन बी-6 की मात्रा होती है। जो ब्लड को प्यूरिफाई करने और हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन को बढ़ाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक जिन लोगों को एनीमिया की समस्या है उन्हें रोजाना कम से कम दो से तीन लाल केला खाने से रेड ब्लड सेल्स बढ़ना शुरू हो जाते हैं।

पाइल्स में राहत

लाल केला कब्ज की समस्या को कम करने में मदद करता है। लाल केले को हर दिन लंच के बाद एक खाया जाए तो पाइल्स में आराम मिलता है।

डिस्क्लेमर : *इस आर्टिकल में बताई विधि, तरीकों व दावों को केवल सुझाव के रूप में लें। इस तरह के किसी भी उपचार/दवा/डाइट और सुझाव पर अमल करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।*

एनआईटी जालंधर ने विश्व पृथ्वी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए

• **जालंधर ब्रीज .** जालंधर

हर साल 22 अप्रैल को दुनिया भर में अर्थ डे मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण दिन को मनाने के लिए, देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में से एक, एनआईटी जालंधर के ग्रीन क्लब ने इस वर्ष की थीम प्लैनेट बनाम प्लास्टिक के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए परिसर में लगभग 50 पेड़ लगाए गए। इसके अलावा छात्रों ने प्लास्टिक प्रदूषण विषय पर एक कला निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया, छात्रों के बीच पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक पर्यावरण संबंधी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कला प्रदर्शनी के बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। मानव निर्मित प्रदूषण और पृथ्वी पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संस्थान के नाटक मंडली द्वारा एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद परिसर में सफाई अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत संकाय सदस्यों और छात्र स्वयंसेवकों द्वारा प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। इस अवसर पर एनआईटीजे के निदेशक प्रोफेसर बिनोद कुमार कनौजिया ने छात्रों को संबोधित किया और उनसे न केवल एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का आग्रह किया, बल्कि प्लास्टिक के गैर-जिम्मेदाराना उपयोग और निपटान के खिलाफ दोस्तों और परिवार के बीच जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया।

लुधियाना की रचना को मिला 'अमृत कुंभ सम्मान 2023'

जालंधर ब्रीज (लुधियाना) . लुधियाना के कुंदन विद्या मंदिर शाखा विद्यालय की हिन्दी अध्यापिका रचना को हिन्दी ओलंपियाड फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा 'अमृत काल एवं आज़ादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिता में उनकी मौलिक रचनाओं 'मानवीय धर्म-सच्चा धर्म' व 'संस्कारों का सोना माता-पिता' के लिए 'अमृत कुंभ सम्मान 2023' से सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि सह-लेखिका के रूप में उनकी 120 से भी अधिक रचनाएँ अलग-अलग पुस्तकों में प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी पुस्तक 'काव्य संगम' में विभिन्न विषयों पर उनकी कविताएं दर्ज हैं। 'अभ्युदय' साँझा संकलन में उनकी 10 कविताएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 'यादों का कारवाँ', 'The Power of Words' पुस्तकों का संकलन भी किया है। उन्हें कई प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। AIBA अवार्ड, के.बी. राइटर्स द्वारा के.बी.राइटर कलमकार सम्मान 2022, बेटियाँ व कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद द्वारा मैथिलीशरण साहित्य सेवा सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

रचना ने बताया कि उनकी रचनाएं जीवन मूल्यों से सम्बन्धित होती हैं और उनके लिखने का उद्देश्य आत्मसंतुष्टि है तथा जीवन के अनुभवों को व यथार्थ से पाठकों को रूबरू करवाना है। सरल जीवन जीने की नई दृष्टि प्रदान करना तथा आशावादी दृष्टिकोण रखना भी उनका मकसद है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा और माता-पिता के सहयोग से ही वे यहाँ तक पहुँच पाई हैं। कुंदन विद्या मंदिर शाखा विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती रूचिका भक्कू ने कहा कि यह खुशी की बात है कि उनके स्कूल की अध्यापिका को इस सम्मान से सम्मानित किया गया है और आशा करते हैं कि रचना मानवीय मूल्यों का अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार करती रहेंगी।

अब जो चाहे वो कर सकते हैं मुइज्ज़ू, अत्याचारी शासन का डर; क्यों घबराए मालदीव के संविधान 'निर्माता'

मालदीव के संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस्माइल ने कहा कि उन्हें मालदीव में बहुदलीय लोकतंत्र की शुरुआत के लगभग दो दशक बाद अत्याचारी शासन के वापसी का डर है।

• **जालंधर ब्रीज .** वर्ल्ड न्यूज

बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू की पार्टी रविवार के संसदीय चुनाव में जीत हासिल करेगी। अब मुइज्ज़ू ने जीत ही हासिल नहीं की है बल्कि प्रचंड बहुमत हासिल कर लिया है। इस चुनाव को देश के राष्ट्रपति मुइज्ज़ू के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिनकी नीतियों पर मालदीव में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे भारत और चीन की नजर रहती है। हालांकि मुइज्ज़ू की बंपर जीत से मालदीव के बुद्धिजीवी घबराए हुए हैं।

"अत्याचारी शासन" के वापसी का डर

कितनी सीटें जीते मुइज्ज़ू?

मुइज्ज़ू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने रविवार को हुए चुनाव में 20वीं 'पीपुल्स मजलिस' (संसद) में 93 में से 68 सीट जीतीं और इसके गठबंधन साझेदारों-मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) तथा मालदीव डेवलेपमेंट एलायंस (एमडीए) ने क्रमश: एक और दो सीट जीती हैं जो कि संसद के दो-तिहाई बहुमत से अधिक है।

इसके साथ ही पीएनसी को संविधान में संशोधन की शक्ति मिल गई है। यानी मुइज्ज़ू सरकार जब चाहे तब मालदीव का संविधान बदल सकती है। न्यूज पोर्टल अल-जजीरा से बात करते हुए पूर्व सांसद और माले में मंधू कॉलेज के संस्थापक इब्राहिम इस्माइल ने कहा कि मुइज्ज़ू के पास अब "पूर्ण शक्ति" है। हालांकि उन्होंने डर जताते हुए कहा कि "बहुमत का इस कदर होना अच्छी बात नहीं है। अब आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि राष्ट्रपति अपनी शक्तियों का कैसे और कितना संतुलन बिठाकर इस्तेमाल करेंगे।"

मालदीव के संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस्माइल ने कहा कि उन्हें मालदीव में बहुदलीय लोकतंत्र की शुरुआत के लगभग दो दशक बाद "अत्याचारी शासन" के वापसी का डर है। उन्होंने कहा, "सही मायनों में पीएनसी (मुइज्ज़ू की पार्टी) कोई उचित राजनीतिक दल नहीं है। यह पार्टी जमीनी स्तर से उठकर ऊपर नहीं आई है। इसने जमीनी हालात नहीं देखे हैं।

इस्माइल ने आगे कहा कि "मुइज्ज़ू की पार्टी का गठन उनके सत्ता में आने के दौरान हुआ था और पार्टी में उसे जिम्मेदार ठहराने वाला कोई नहीं है, पार्टी का अपना कोई ढांचा नहीं है। मूल रूप से, प्रत्येक सदस्य जो पीएनसी टिकट पर संसद के लिए चुना गया है, राष्ट्रपति की दया पर निर्भर है।" इस्माइल ने कहा कि यह जीत राष्ट्रपति को "न्यायपालिका पर लगभग पूर्ण शक्ति" भी देती है। उन्होंने कहा, "संभावना है कि अदालतों में बदलाव होंगे, संभवतः सुप्रीम कोर्ट की पूरी पीठ को बदल दिया जाएगा। अगर कोई न्यायाधीश अपना पद बरकरार रखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी न्यायिक स्वतंत्रता से समझौता करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे अत्याचारी शासन का मार्ग प्रशस्त होगा।"

सरकार "संविधान को फिर से लिख सकती है...

इस्माइल ने कहा कि ठीक इसी प्रकार चिंताजनक बात यह है कि सरकार "संविधान को फिर से लिख सकती है।" उन्होंने कहा कि ये सरकार चाहे तो निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले प्रावधानों को संभावित रूप से कमजोर कर सकती है और निर्वाचित अधिकारियों पर कार्यकाल की सीमा लगा सकती है।

एक वेबसाइट के अनुसार, भारत समर्थक नेता माने जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह की अगुवाई वाली मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने पिछली संसद में 65 सीट जीती थीं लेकिन इस बार उसे केवल 15 सीट ही मिली हैं। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्ज़ू (45) ने कहा है कि वह अपने देश में भारत का प्रभाव कम करना चाहते हैं। स्थानीय मीडिया ने रविवार को हुए चुनाव में पीएनसी की बड़ी जीत को ''प्रचंड बहुमत'' बताया है।

दो काकेशियन पड़ोसियों के बीच विवाद की मुख्य जड़, नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र है, जहां लंबे समय से दोनों देशों के बीच संघर्ष होते रहे हैं। यह काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच स्थित है।

हम चुपचाप हाथ धरे बैठे नहीं रहेंगे, पिद्दी से मुस्लिम देश अजरबैजान ने भारत को क्यों दी गीदड़भभकी?

• **जालंधर ब्रीज .** वर्ल्ड न्यूज

पश्चिम एशिया में ईरान से सटे मुस्लिम देश अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा है कि अगर भारत और फ्रांस ने उसके पड़ोसी और दुश्मन देश आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई की तो वह चुपचाप हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा रहेगा। अलीयेव ने कहा कि अगर उन्हें लगा कि खतरा बड़ा है तो वो उचित जवाब देंगे। अजरबैजान की तरफ से यह बयान तब आया है, जब भारत और फ्रांस ने आर्मेनिया को हथियार देने पर सहमति जताई है।

अजरबैजान के राष्ट्रपति ने क्या कहा

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा, "जब फ्रांस, भारत और ग्रीस हमारे खिलाफ आर्मेनिया को हथियार देंगे तो हम चुपचाप नहीं बैठ सकते। हम हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रह सकते।" दरअसल, काकेशस पर्वत माला की तलहटी में बसे इस पिद्दी से देश का पड़ोसी आर्मेनिया से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से संघर्ष होता रहा है।

भारत से क्यों रक्षा डील

ऐसे में आर्मेनिया ने करीब 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के हथियारों की डील रूस से की थी लेकिन यूक्रेन से जंग लड़ रहा रूस उस ऑर्डर को पूरा करने में विफल रहा। इसके बाद आर्मेनिया ने हथियारों की आपूर्ति के लिए नए साथी की तलाश शुरू की। उसकी खोज भारत पर आकर खत्म हुई। इस बीच,

फ्रांस, भारत और ग्रीस ने जहां मिलकर आर्मेनिया की मदद करने का फैसला किया, वहीं दो कट्टर इस्लामिक देश तुर्की और पाकिस्तान ने मजहबी साथ देते हुए अज़रबैजान का पक्ष लिया।

ता दें कि आर्मेनिया ने हाल के वर्षों में अपना रक्षा बजट दोगुना कर दिया है। 2022 में जहां उसका रक्षा पर खर्च 700 से 800 मिलियन डॉलर हुआ करता था, वह अब बढ़कर 2024 में 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यूरिशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मेनिया की रक्षा और सुरक्षा मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष एंड्रानिक कोचरियन ने हाल ही में भारत का नाम लिए बिना कहा था कि आर्मेनिया द्वारा खरीदे गए नए हथियार "बहुत संतोषजनक" साबित हुए हैं।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवाद की जड़

दो काकेशियन पड़ोसियों के बीच विवाद की मुख्य जड़, नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र है, जहां लंबे समय से दोनों देशों के बीच संघर्ष होते रहे हैं। यह काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच अंतरमहाद्वीपीय क्षेत्र है। हाल ही में अजरबैजान ने इस विवादित क्षेत्र में एक सैन्य अभियान शुरू किया था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। इस इलाके को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अज़रबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है लेकिन इसके निवासी मुख्यतः जातीय रूप से अर्मेनियाई हैं। यानी यहां के लोग आर्मेनिया सरकार का समर्थन करते हैं।

मेड इन इंडिया हथियारों का मुरीद आर्मेनिया

अजरबैजान के हमले के बाद अक्टूबर 2023 में, फ्रांस ने आर्मेनिया को सैन्य सहायता का वादा किया था। तब से फ्रांस राजनीतिक स्तर पर ही आर्मेनिया को मदद करता आ रहा था। यूक्रेन युद्ध के बाद कई यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ यूक्रेन का साथ दिया और सैन्य मदद की। ऐसे में आर्मेनिया ने भारत की तरफ सैन्य आयात के लिए हाथ बढ़ाए। इस बात की भी चर्चा जोरों पर है कि आर्मेनिया भारत से ब्रह्मोस मिसाइल और इजरायली तकनीक से भारत में विकसित मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल की खरीद में भी रुचि ले रहा है। बता दें कि अजरबैजान और आर्मेनिया दोनों के साथ भारत के राजनयिक संबंध हैं, जो मध्य एशिया और ईरान के माध्यम से रूस और यूरोप के साथ नई दिल्ली की कनेक्टिविटी के लिए भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। आर्मेनिया कश्मीर पर भारत की स्थिति का समर्थन करता रहा है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के लिए स्थायी सीट का भी समर्थक रहा है। इस बीच, पाकिस्तान के साथ अजरबैजान की निकटता ने आर्मेनिया का पलड़ा नई दिल्ली के पक्ष में और झुका दिया है।

अजरबैजान की क्या औकात?

अजरबैजान एशिया महाद्वीप का एक देश है जिसकी सीमा रूस, जॉर्जिया, आर्मेनिया और ईरान से लगती है। इस देश के पूर्व की सीमा कैस्पियन सागर से लगती है। उत्तर और पश्चिम का अधिकांश भाग काकेशस पर्वत से ढका हुआ है। इसका कुल क्षेत्रफल 86600 वर्ग किलोमीटर है, जो बिहार और बंगाल से भी कम है, जबकि आबादी एक करोड़ के करीब है।

एनसीसी महानिदेशक ने एनसीसी विस्तार के रोडमैप पर विचार विमर्श के लिए क्षेत्रीय एनसीसी निदेशालय का दौरा किया

• **जालंधर ब्रीज .** चंडीगढ़

'हर काम देश के नाम'

एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने आज एनसीसी निदेशालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ (पीएचएचपीएंडसी) का दौरा किया और संबंधित राज्यों में एनसीसी के विस्तार के रोडमैप पर चर्चा की। महानिदेशक ने निदेशालय के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के ग्रुप कमांडरों के साथ बातचीत की।

इस अवसर पर पीएचएचपीएंडसी के अपर महानिदेशक मेजर जनरल मंजीत सिंह मोखा ने निदेशालय के कैडेटों द्वारा की जा रही सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों से अवगत कराया। सामाजिक सरोकारों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने में कैडेटों की सक्रिय भागीदारी और उनके द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों की महानिदेशक ने सराहना की। महानिदेशक ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी कैडेटों और निदेशालय के कर्मचारियों को सम्मानित किया।

महानिदेशक ने चंडीगढ़ समूह की नौसेना इकाई द्वारा सुखना झील पर संचालित सेलिंग नोड का दौरा किया और कैडेटों

द्वारा वॉटरमैनशिप प्रशिक्षण देखा। चंडीगढ़ ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर हरप्रीत सिंह और नौसेना यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन तेजिंदर सिंह द्वारा उन्हें विभिन्न नौसेना उपकरण भी दिखाए गए और नोड पर की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

भारत की राष्ट्रपति ने पंजाब की कुमारी निर्मल रिशी को कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . भारत की राष्ट्रपति ने पंजाब की कुमारी निर्मल रिशी को आज नई दिल्ली में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कार विजेता के जीवन और कार्यों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है-

1. कुमारी निर्मल रिशी कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित कुमारी निर्मल रिशी पंजाबी सिनेमा की एक प्रमुख शख्सियत हैं और कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनका बहुत अधिक योगदान है।
2. 01 नवंबर, 1943 को जन्मी कुमारी रिशी ने 1966 में राजस्थान विश्वविद्यालय से कला स्नातक की पढ़ाई की और फिर पंजाबी विश्वविद्यालय से एम.एड. किया। उन्होंने 1989 में शारीरिक शिक्षा में एम.फिल. किया। वह एक सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हैं और पंजाबी रंगमंच एवं फिल्मों में उनके योगदान के लिए उन्हें जाना जाता है। उन्होंने कई लोकप्रिय नाटकों में भूमिकाएँ निभाई हैं और पंजाबी एवं हिंदी सिनेमा में भी क्रांतिकारी भूमिकाएँ अदा की हैं। उन्होंने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के साहित्य विभाग की लोकधारा परियोजना के

लिए भी स्वैच्छिक फीड दिया है।
3. कुमारी रिशी ने 1967 से श्री हरपाल टिवाणा और श्रीमती नीना टिवाणा की पंजाब कला मंच इंटरनेशनल रिपर्टरी कंपनी के साथ कई प्रशंसनीय नाटकों में अभिनय किया है। इनमें कनक दी बल्ली, मेला मुंडे कुड़ियाँ दा, हिंद दी चादर, सरहिंद दी दीवार शामिल हैं। पंजाब कला मंच और पंजाबी लोक थिएटर अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन के बैनर के तहत उनके अभिनय के लिए उन्हें पूरे पंजाब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सराहना मिली है और कई पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने हरपाल टिवाणा फाउंडेशन की स्थापना में भी सहयोग किया और इसकी आजीवन ट्रस्टी हैं। लौंग दा लशकारा फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया गुलाबो मासी का किरदार पूरी दुनियाँ में पंजाबी दर्शकों में बहुत लोकप्रिय हुआ। दीवा बले सारी रात, सुनेहा, उच्चा दर बाबे नानक उनके कुछ सीरियल हैं। इनके अलावा, उन्होंने कई टीवी सीरियलों, होम विडियो और टेलीफिल्मों में भी काम किया है।
4. कुमारी रिशी को समय-समय पर विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार, पंजाबी रंगमंच में योगदान के लिए पंजाब भाषा विभाग द्वारा पुरस्कार, पंजाबी रंगमंच में योगदान के लिए पंजाब कला परिषद पुरस्कार, कैलगरी सिख एसोसिएशन अल्बर्टा कनाडा, टोरंटो द्वारा "दुखदे कलीरे" के निर्देशन और उसमें भूमिका के लिए उन्हें सम्मान शामिल है। कनाडा के संसद सदस्य ने उन्हें प्रतिष्ठित कनाडा फ्लैग से सम्मानित किया। उन्हें सहायक भूमिका के लिए पीटीसी चैनल का फिल्म पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

जालंधर पुलिस कमिश्नरेट की बड़ी उपलब्धि, सोने-चांदी के गहने व करीब 1 लाख रूपए की चोरी ट्रेस, 3 गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने चोरों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है और उनके पास से कीमती सामान बरामद किया है। डीसीपी संदीप शर्मा ने बताया कि ललित सेठ पुत्र सत्या सेठ निवासी 1323 अर्बन एस्टेट फेज 1 जालंधर ने शिकायत दी थी कि वह 13 अप्रैल 2024 को अपनी बेटी का दाखिला कराने के लिए द्वारका, दिल्ली गया था। घर लौटने के बाद देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला व कुंडी टूटे हुए हैं। निरीक्षण करने पर शिकायतकर्ता को सोने, चांदी के गहने और 1,00,000 रुपये गायब मिले और पुलिस स्टेशन डिवीजन 7 में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर संख्या 457/380 आईपीसी दिनांक 19-04-2024 को दर्ज कराई।

डीसीपी संदीप शर्मा ने बताया कि इसके बाद पुलिस को शमशान घाट, सुभाना मोड़, जालंधर के पास चोरी की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि पुलिस को पता चला कि मंजीत लाल उर्फ मन्नू पुत्र देस राज जो एक आदतन अपराधी था, चोरी में संदिग्ध था। उन्होंने बताया कि सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चोरी की संपत्ति बेचने की कोशिश कर रहे संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया व उसके पास से 90,000 रुपये नकद व कुछ सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान मंजीत लाल ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी संदीप कौर उर्फ प्रिया, पुत्र कुलवीर सिंह और गांव शंकर, जिला नकोदर, जालंधर के साथ अपनी पत्नी रानी के घर में रहता था। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने संदीप कौर और उसकी साथी डॉली उर्फ रानी को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे चोरी के सोने के आभूषण बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों में से एक मंजीत लाल के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, चोरी, डकैती और उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत कई प्राथमिकी दर्ज हैं जबकि अन्य दो व्यक्तियों की पिछली कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी। उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है और विवरण बाद में साझा किया जाएगा।

सेफ स्कूल वाहन स्कीम का उल्लंघन करने वाली 23 बसों के काटे चालान

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

जिले में बनी सेफ स्कूल वाहन स्कीम के अंतर्गत बनी कमेटी, डिप्टी कमिश्नर व एस.एस.पी के नेतृत्व में रिजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारी की ओर से आज हाजीपुर, झीर की खूही व दसूहा के पांच स्कूलों की चैकिंग की गई। रिजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारी आर.एस गिल ने बताया कि इस चैकिंग के दौरान सेफ स्कूल वाहन स्कीम के अंतर्गत की हिदायतों का उल्लंघन करने वाली 23 बसों के चालान काटे गए। इनमें से बिना कागजात, बिना फिटनेस सर्टिफिकेट वाली 1 बस को इंपाउंड किया गया।

आरटीओ की ओर से इस दौरान सेफ स्कूल वाहन स्कीम के बारे में जागरुक करते हुए बस, वैन में प्राथमिक सुविधाओं जैसे कि फस्ट एड बाक्स, अग्निशमन यंत्र, बस के अंदर कैमरा, बस का रंग पीला व उस पर लगी पट्टी में स्कूल का नाम होना, सरकारी नंबर प्लेट, फिटनेस सर्टिफिकेट, लेडीज अटेंडेंट आदि सुविधाएं यकीनी बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बच्चों के माता-पिता को अपील की कि यदि उसके बच्चे की स्कूल बस, वैन में किसी प्रकार की लापरवाही नजर आती है तो वह इस संबंधी स्कूल मैनेजमेंट, जिला बाल सुरक्षा कार्यालय या रिजनल ट्रांसपोर्ट कार्यालय में सूचित करें ताकि बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर सेफ स्कूल वाहन पालिसी को 100 प्रतिशत लागू किया जा सके। उन्होंने माता-पिता को यह भी अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छी हालत की बस, वैन में ही स्कूल भेजें न कि किसी आटो रिक्शा या 13 सीटों से कम वाली गाड़ी में ताकि स्कूली बच्चों का सुरक्षित आवागमन यकीनी बनाया जा सके।

डिप्टी कमिश्नर ने दाना मंडी में गेहूं खरीद का लिया जायजा

• **जालंधर ब्रीज.** फगवाड़ा

डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने आज गेहूं की चल रही खरीद का जायजा लेते हुए स्थानीय दाना मंडी का दौरा किया और किसानों, आढ़तियों और अधिकारियों के साथ मौजूदा खरीद व्यवस्था के बारे में विस्तृत चर्चा की।

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अनुपम कलेर, एस.डी.एम. जशनजीत सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ दाना मंडी पहुंचे डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने मौके पर मौजूद किसानों से उनकी फसल की खरीद के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने किसानों की अलग-अलग ढेरियों के पास जाकर नमी की मात्रा भी जांची।

किसानों ने डिप्टी कमिश्नर को बताया कि मंडी में खरीद एजेंसियों द्वारा उनकी फसलें निर्धारित समय पर खरीदी जा रही हैं और भुगतान भी उनके खातों में किया जा रहा है। डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिन-प्रतिदिन बढ़ती गर्मी को देखते हुए किसानों व श्रमिकों आदि की सुविधा के लिए मंडियों में उचित प्रबंध किए जाएं ताकि फसल बेचने आने वाले लोग गेहूं बेचकर घर लौट जाएं।

पंजाब में चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद 321.51 करोड़ के नशीले पदार्थ, नकदी व कीमती वस्तुएं बरामद

अमृतसर में सबसे अधिक 60.3 करोड़ रुपए की बरामदगियां, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पूरा करने की वचनबद्धता दोहराई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

लोकसभा मतदान 2024 के दौरान राज्य में चुनाव मर्यादा को कायम रखने के लिए किये जा रहे यत्नों के अंतर्गत इनफोरसमैंट एजेंसियों ने व्यापक कार्यवाही करते हुये 16 मार्च को आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने से लेकर अब तक 321.51 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, नशीले पदार्थ, कीमती वस्तुएँ और अन्य समान ज़ब्त किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि अब तक कुल 321.51 करोड़ रुपए की बरामदगियां की गई हैं जिनमें 6.89 करोड़ रुपए की नकदी, 14.93 करोड़ रुपए कीमत की 22.8 लाख लीटर शराब, 287. 23 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ, 11.37 करोड़ रुपए की कीमती वस्तुएँ और 1.09 करोड़ रुपए का अन्य समान ज़ब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में 24 इनफोरसमैंट एजेंसियाँ सक्रियता से काम कर रही हैं। इन बरामदगियों में पंजाब पुलिस की तरफ से सबसे अधिक 276.19 करोड़ रुपए, सीमा सुरक्षा बल की तरफ से 22.85 करोड़ रुपए, आबकारी विभाग की तरफ से 7.21 करोड़ रुपए, वस्तुएँ और सेवा कर विभाग की तरफ से 5 करोड़ रुपए, कस्टम विभाग की तरफ से 4.37 करोड़ रुपए, आमदन कर विभाग की तरफ से 4.08 करोड़ रुपए और नारकोटिकस कंट्रोल ब्यूरो की तरफ से 1.76 करोड़ रुपए की जब्तियां की गई हैं।

जिलों में से अमृतसर ज़िले में सबसे अधिक 60.3 करोड़ रुपए, तरन तारन ज़िले में 53.74 करोड़ रुपए, फ़िरोज़पुर ज़िले में 49.34 करोड़ रुपए और फाजिल्का ज़िले में 41.71 करोड़ रुपए की बरामदगियां की गई हैं।

इसी तरह लुधियाना ज़िले में 25.42 करोड़ रुपए, पठानकोट में 21.4 करोड़ रुपए, जालंधर में 17.34 करोड़ रुपए, संगरूर में 11 करोड़ रुपए, गुरदासपुर में 10.38 करोड़ रुपए, कपूरथला में 6.02 करोड़ रुपए, होशियारपुर में 4.89 करोड़ रुपए, बठिंडा में 3.94 करोड़ रुपए और साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर में 3.90 करोड़ रुपए की बरामदगियां की हैं।

उधर, बरनाला ज़िले में 2.2 करोड़ रुपए, मोगा में 2.05 करोड़ रुपए, पटियाला में 1.47 करोड़ रुपए, रूपनगर में 1.33 करोड़ रुपए, श्री मुक्तसर साहिब में 1.26 करोड़ रुपए, मानसा में 1 करोड़ रुपए, शहीद भगत सिंह नगर में 81.8 लाख रुपए, मालेरकोटला में 70 लाख रुपए, फरीदकोट में 67 लाख रुपए और फतेहगढ़ साहिब में 59 लाख रुपए की जब्तियां की गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों अनुसार राज्य में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग के साथ चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समूचे स्टाफ की वचनबद्धता को दोहराया है। सिबिन सी ने चुनाव प्रक्रिया में इमानदारी और पारदर्शिता की महत्ता का ज़िक्र करते हुये लोकतंत्रीय सिद्धांतों को कायम रखने के लिए सभी चुनाव कर्मियों की तरफ से किये जा रहे अथक यत्नों को इसी तरह बनाई रखने की वचनबद्धता जतायी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्रीय सिद्धांतो की रक्षा और वोटरों के भरोसे को कायम रखने के लिए समूचा चुनाव विभाग पूरी वचबद्धता से काम कर रहा है।

सरफेस सीडिंग तकनीक से बोए गए गेहूं के खेतों का निरीक्षण

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी द्वारा जिले में सरफेस सीडिंग तकनीक से बोए गए गेहूं के खेतों का जायज़ा लेते हुए संबंधित किसानों से मिल रहे हैं, ताकि इस तकनीक से धान की पराली की संभाल करके बोए गए गेहूं की फसल की सफलता के बारे में अन्य किसानों को प्रेरित किया जा सकता है। जिला कपूरथला के गांव सराय जटां ब्लॉक सुल्तानपुर लोधी में सरवन सिंह के खेतों में सरफेस सीडर मशीन से बोए गए गेहूं के खेत का निरीक्षण अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरस) शिखा भगत ने कृषि विभाग की टीम को साथ लेकर किया गया। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर शिखा भगत ने कहा कि आज हमें धान की पराली के प्रबंधन के लिए ऐसी तकनीक की जरूरत है, जिससे धान की पराली का उचित प्रबंधन हो सके और किसानों की लागत भी कम हो। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी प्लांट में खेत दिवस आयोजित करने का उद्देश्य किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ सरफेस सीडर मशीन से बोई गई गेहूं की फसल के प्रदर्शन की जानकारी लेना है ताकि भविष्य में पराली के प्रबंधन के लिए किसान हितैषी योजना बनाई जा सके।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य कृषि अधिकारी कपूरथला डॉ. बलबीर चंद ने कहा कि सरफेस सीडर मशीन से धान की पराली को बिना जलाए, बिना जुताई के खेतों में ही रखकर गेहूं की बिजाई की गई थी।

एमएसपी के वादे से फिर मुकर गए मान : बाजवा

कहा- सरकार बनने पर 23 फसलों की खरीद पर एमएसपी देने का किया था वादा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर 23 फसलों के लिए एमएसपी प्रदान करने के अपने चुनाव-पूर्व वादों से बेशर्मी से मुकरने के लिए लताड़ लगाई। एक निजी मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ एक साक्षात्कार में, सीएम मान ने कहा कि वह एमएसपी प्रदान नहीं कर सकते क्योंकि यह केंद्र सरकार है जिसे एमएसपी प्रदान करना है। मान ने कहा कि वह किसानों को केवल मुआवजा दे सकते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले मान और पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान ने आप की सरकार बनने पर एमएसपी पर 23 फसलों की खरीद करने का वादा किया था। वे एमएसपी नहीं देने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा करते थे। उन्होंने कहा, 'विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मान ने एमएसपी पर मूंग दाल की फसल खरीदने की प्रतिबद्धता जताई थी, लेकिन वह अपना वादा निभाने में पूरी तरह विफल रहे. नतीजतन, किसानों को कम कीमतों पर निजी खिलाड़ियों को अपनी फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।

विपक्षी नेता ने कहा कि आप सरकार किसानों को मुआवजा भी नहीं दे सकी, जिनकी धान, गन्ना, कपास और अन्य फसलें पिछले साल आई सबसे भीषण बाढ़ के कारण नष्ट हो गई थीं। इस साल ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचा है, फिर भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया।

केरल सरकार फलों, सब्जियों और कुछ अन्य फसलों पर भी एमएसपी प्रदान करती है। अगर केरल ऐसा कर सकता है तो पंजाब सरकार क्यों नहीं? बाजवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के पास किसानों के पास जाने और उनसे वोट मांगने का कोई नैतिक आधार नहीं है क्योंकि वह किसानों से किए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

वेक्टर बोर्न बीमारियों से निपटने के लिए व्यापक योजना तैयार करने के निर्देश

जालंधर ब्रीज (जालंधर) : डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए वेक्टर बोर्न बीमारियों, विशेषकर मानसून के मौसम में होने वाली बीमारियों से निपटने के लिए एक व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए पहले से इंतजाम करने की जरूरत पर जोर दिया। स्वास्थ्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि मरीजों को सरकारी अस्पतालों में बिना किसी परेशानी के इलाज की सुविधा मिले। नैशनल प्रोग्राम फार क्लाईमेट चेज एंड हयूम्न हैल्थ, आपदा प्रबंधन, आईडीएसपी, एनटीईपी और टीबी फार्म सहित विभिन्न स्वास्थ्य प्रोग्राम की प्रगति का जायजा लिया।

फैशन डिजाइन कोर्स के लिए दाखिला शुरु

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

जनरल मैनेजर जिला उद्योग केंद्र अरुण कुमार ने बताया कि नार्दन इंडिया इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नालाजी (एन.आई.एफ.टी) जालंधर में फैशन डिजाइन के कोर्स के लिए दाखिला शुरु हो गया है। उन्होंने बताया कि यह एक उच्च स्तरीय इंस्टीट्यूट है, जो कि गुरु गोविंद सिंह एवेन्यू, जालंधर-अमृतसर हाईवे पर स्थित है। उन्होंने बताया कि यह संस्था तीन वर्ष का डिग्री प्रोग्राम, बी.एस.सी फैशन डिजाइन, पंजाब टैक्नीकल यूनिवर्सिटी जालंधर से मान्यता प्राप्त व यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन भारत सरकार से प्रमाणित है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड, यूनिवर्सिटी, कौंसिल से बारहवीं या इसके बराबर की या जनरल सर्टिफिकेट एजुकेशन (जी.सी.ई) परीक्षा (लंदन, कैंब्रिज, श्री लंका) एडवांस (ए) स्तर पर परीक्षा पास की, नेशनल ओपन स्कूल द्वारा कम से कम पांच विषयों के साथ आयोजित सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में ग्रेड, ए.आई.सी.टी.ई या स्टेट बोर्ड आफ टेक्नीकल एजुकेशन द्वारा मान्यता प्राप्त 3 या 4 वर्ष का डिप्लोमा किया है, वे उम्मीदवार योग्य हैं।

जी.एम इंडस्ट्री ने बताया कि कोर्स के लिए फीस 1,15,000 रुपए वार्षिक है जो कि संस्था के विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे को देखते हुए जायज है। इसके अलावा संस्था 100 प्रतिशत प्लेसमेंट रिकार्ड को मानते हुए, आकर्षक वेतन से साथ-साथ नामवर कंपनियों में कैंपस प्लेसमेंट प्रदान करती है। कैंपस प्लेसमेंट की ओर से रखे जाने वाले विद्यार्थियों का शुरुआती पैकज 3.50 लाख रुपए हैं।

अरुण कुमार ने बताया कि संभावी विद्यार्थियों को फैशन के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। दाखिले के लिए आवेदन करने की आखिरी तिथि 27 मई है और दाखिले संबंधी कोई जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8146309269 पर संपर्क कर सकते हैं।

डीसी ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2024 का फ्लेक्स किया जारी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आज 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2024 का फ्लेक्स जारी किया, जो 21 जून को 'योग फार वुमेन इम्पावरमैंट' थीम पर मनाया जा रहा है। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर ने आम लोगों से योग दिवस में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की । उन्होंने कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है और योग दिवस से लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया जाएगा। इस मौके पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी जालंधर डा. वीनू खन्ना, आयुर्वेदिक डाक्टरों की एसोसिएशन पामसा जालंधर के अध्यक्ष डा.रूपाली कोहली, कैशियर डा. दलवीर कौर, डा. रितिका बाली और डा. चेतन मेहता मौजूद थे।

उसैन बोल्ट बने टी20 वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर

आईसीसी. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने महान धावक उसैन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी।

बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं। बोल्ट वर्ल्ड कप के अपने देश आने और अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा कि मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है। इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है। बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कही कु मैं वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है।

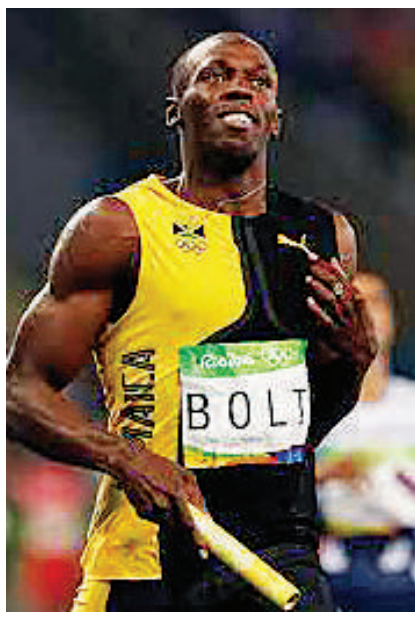

उन्होंने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वो 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनाएगा।

वर्ल्ड कप के दूत के तौर पर बोल्ट इस आयोजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह दिग्गज कलाकार सीन पॉल और कीस के साथ कार्यक्रम के आधिकारिक गीत के रिलीज में एक 'कैमियो' के साथ होगी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि उसैन बोल्ट एक वैश्विक आइकन हैं। हम उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए राजदूत के रूप में शामिल करके रोमांचित हैं। क्रिकेट के प्रति उनका जुनून जगजाहिर है, जो उन्हें इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है।

स्वीप गतिविधि के अंतर्गत मतदाता जागरूकता मेला करवाया

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी कोमल मित्तल के निर्देशों पर स्वीप गतिविधि के अंतर्गत गढ़शंकर के गांव पनाम में स्थित गुरसेवा ग्रुप ऑफ़ कॉलेजिजस में स्वीप मेला व स्वीप जागरूकता सैमीनार करवाया गया।

मेले के मुख्य मेहमान के तौर पर जिला स्वीप अधिकारी प्रीत कोह ने शिरकत की। इस अवसर पर संस्थान के डीन ए.आर खान , प्रिंसिपल कमलदीप, सहायक जिला स्वीप अधिकारी अंकुर शर्मा, सहायक नोडल ऑफिसर मीडिया एंड कम्युनिकेशन नीरज धीमान, रजनीश गुलियानी विशेष तौर पर उपस्थित थे। जिला स्वीप नोडल अधिकारी प्रीत कोहली ने युवा वोटरों को संबोधित करते हुए कहा कि नौजवान पीढ़ी को वोट की महत्ता के बारे में जागरूक होना चाहिए और नए मतदाताओं को बिना किसी लालच के ईमानदारी से अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल की जा सकती है। इस दौरान जिला सहायक स्वीप अधिकारी अंकुर शर्मा ने विद्यार्थियों से अपने परिजनों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए संकल्प पत्र भरवाया। अंकुर शर्मा ने फर्स्ट टाइम वोटरों से खास अपील करते हुए कहा कि वे भारी संख्या में मतदान करें।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.